आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 47 लखनऊ, शनिवार 21 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद, आध्यात्म पर हुई चर्चा

लखनऊ/मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान शुक्रवार को वृंदावन स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संत का आशीर्वाद लिया और उनसे आध्यात्मिक संवाद किया। अपनी यात्रा के दौरान, द्रौपदी मुर्मू नीम करोली बाबा के स्मारक पर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा को आगे बढ़ाएंगी, जिसके बाद रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया जाएगा। उम्मीद है कि यह नई सुविधा क्षेत्र में कैंसर उपचार के बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ावा देगी। भजन मार्ग ने एक्स पर लिखा कि भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी पूज्य महाराज जी से मिलने पधारीं। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया गया। प्रेमानंद महाराज राधे–राधे कहकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज के सत्संग और मानवता के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज के उपदेशों

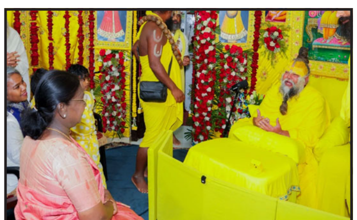

और प्रवचनों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने महाराज से भक्ति मार्ग, मानसिक शांति और सेवा भाव जैसे विषयों पर चर्चा की। अपनी यात्रा के दौरान, द्रौपदी मुर्मू नीम करोली बाबा के स्मारक पर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा को आगे बढ़ाएंगी, जिसके बाद रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया जाएगा। उम्मीद है कि यह नई सुविधा क्षेत्र में कैंसर उपचार के बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगी। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित वात्सल्य ग्राम में भी रुकेंगी, जो बुजुर्गों और अनाथ बच्चों की देखभाल के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त संस्था है। उनकी यात्रा २१ मार्च को पूजनीय दंगहाटी मंदिर में प्रार्थना के साथ समाप्त होगी, जिसके बाद वे पवित्र गोवर्धन परिक्रमा (सात मील की आध्यात्मिक यात्रा) करेंगी और फिर नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति द्रोण मुरमा १६ मार्च को उत्तर प्रदेश पहुंचीं और अयोध्या, मथुरा और वृंदावन सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा कर रही हैं, जहां वे महत्वपूर्ण समारोहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग ले रही हैं। अयोध्या पहुंचने पर उनका स्वागत आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने किया।

एनसीईआरटी बुक रोः सुप्रीम कोर्ट की सख्ती का बड़ा असर, अब विधि पाठ्यक्रम के लिए बना एक्सपर्ट पैनल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आज सुप्रीम कोर्ट को उन विशेषज्ञों के पैनल के बारे में जानकारी दी है जो विधि अध्ययन पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देंगे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वरिष्ठ वकील और पूर्व अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश इंदु मल्होत्रा, अनिरुद्ध बोस और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के निदेशक इस पैनल में शामिल होंगे। इससे पहले, एनसीईआरटी ने न्यायपालिका पर कक्षा ८ के अध्याय के लिए बिना शर्त माफी मांगी थी। एनसीईआरटी ने एक पोस्ट में कहा कि एनसीईआरटी के निदेशक और सदस्य उक्त अध्याय चतुर्थ के लिए बिना शर्त और स्पष्ट माफी मांगते हैं। पूरी पुस्तक वापस ले ली गई है और अब उपलब्ध नहीं है। एनसीईआरटी ने आगे कहा कि हमें हुई असुविधा के लिए खेद है और हम सभी हितधारकों की समझ की सराहना करते हैं। एनसीईआरटी शैक्षिक सामग्री में सटीकता, संवेदनशीलता और

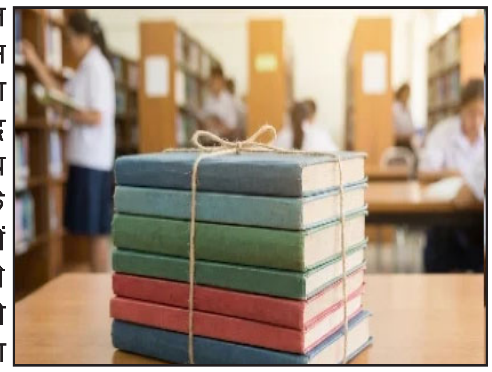

जिम्मेदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, एनसीईआरटी ने एक सलाह जारी कर प्रतिबंधित कक्षा ८ की पाठ्यपुस्तक की प्रतियां रखने वाले किसी भी व्यक्ति से, जिसमें 'न्यायिक भ्रष्टाचार' पर अध्याय था, परिषद मुख्यालय को वापस करने को कहा। एक कड़े शब्दों वाली सलाह में, एनसीईआरटी ने अध्याय की सामग्री वाली सभी सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने का भी आह्वान किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्र निक्स मंत्रालय को पत्र लिखकर उनसे सामाजिक विज्ञान की इस विवादास्पद पाठ्यपुस्तक पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद डिजिटल प्लेटफ र्म और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से इसका प्रसार रोकने को कहा। एनसीईआरटी की कक्षा ८ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, लंबित मुकदमों का भारी बोझ और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या में कमी न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों में से हैं। इस अध्याय को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी के बाद एनसीईआरटी ने 'अनुचित सामग्री' के लिए माफी भी मांगी है और कहा है कि संबंधित अधिकारियों से परामर्श करके पुस्तक को फिर से लिखा जाएगा।

खाटू श्याम का लोकेशन, मुनीर का प्लान, योगी का तगड़ा एक्शन शुरू

लखनऊ। हारे हुए का सहारा कहे जाने वाले बाबा खाटूश्याम का धाम आतंकियों के टारगेट पर है। बॉर्डर के पार से दुश्मन ने खाटूश्याम मंदिर को उड़ाने का पूरा प्लान तैयार कर रखा है। मंदिर से जुड़ा इनपुट पाकिस्तान भी ख्संगीत, पहुंचा दिया गया था। लेकिन ऐसा हो पाता उससे पहले योगी फोर्स ने मुनीर की स्लीपर सेल को धबोचा। खतरे में थी ४ लाख से ज्यादा लोगों की जान। आतंकी अपनी साजिश में कामयाब हो पाते उससे पहले ही मुनीर का खाटू प्लान योगी ने फेल कर दिया। मुनीर के प्यादे जिन्हें उसने राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटूश्याम मंदिर और देश के सैन्य ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी हुई थी। मुनीर के ये स्लीपर सेल कई बार खाटू शश्याम मंदिर की रेकी भी कर चुकी थी। पुलिस को इनके मोबाइल से कई मंदिरों के फोटो और वीडियो बरामद हुए हैं। जांच में पता चला है कि खाटू श्याम मंदिर की लोकेशन, वीडियो और फोटो तो पाकिस्तान भेजे भी जा चुके थे। यानी खाटूश्याम मंदिर में कोई बड़ी अनहोनी होने वाली थी जो योगी फोर्स की मुस्तैदी के चलते टल गई। योगी फोर्स ने गाजियाबाद के कौशांबी इलाके में पाकिस्तान के लिए काम करने वाले जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया। आरोपी सोहेल मलिक उर्फ रोमियो, सानेकरम उर्फ महक समेत छह लोग गिरफ्तार किए गए और इन्हें जेल भेज दिया गया। मुनीर के स्लीपर सेल का भंडाफोड़ होते ही एनआईए, आईबी, यूपी, एटीएस, गाजियाबाद क्राइम ब्रांच और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गहराई से छानबीन शुरू की। तो पता चला कि इस नेटवर्क का टारगेट देश के सैन्य ठिकाने, सैनिक गतिविधियां और ध ार्मिक जगहें थी। जिनके बारे में जानकारी जुटाकर उसे पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर तक पहुंचाना था। देश के साथ गद्दारी करने के लिए इन लोगों को पाकिस्तान से सीधी फंडिंग हो रही थी। सैन्य ठिकाने पर होने वाली हर गतिविधि को पाकिस्तान तक पहुंचाने का प्लान तैयार था। दिल्ली कैंट और हरियाणा के सोनीपत के बाद अंबाला सैन्य ठिकानों पर सीसीटीवी लगाने का प्लान था। इन सीसीटीवी को लगवाने का मकसद वहां की हर हलचल पर निगरानी रखना था। इसके लिए इन जासूसों को बकायदा सीसीटीवी इंस्ट ल करने और डाटा भेजने की ट्रेनिंग दी गई थी। पाकिस्तान के

थ्रू हवाला के जरिए इन्हें पैसे दिए जाते थे। उन्हें टास्क दिया जाता था कि सीसीटीवी फुटेज उन्हें दिया जाए और वो सीसीटीवी फुटेज लेने के बाद उसके लिए पैसे पे करते थे। सवाल उठता है कि आखिर खाटूश्याम मंदिर को ही टारगेट पर लेने का प्लान क्यों बनाया गया? इसकी तीन वजह हो सकती हैं। पहला खाटू श्याम मंदिर में देश के दूसरे प्रमुख मंदिरों की तुलना में सुरक्षा व्यवस्था की कमी। दूसरा खाटू श्याम मंदिर में रोजाना लाखों की संख्या में उड़ने वाली भीड़ और तीसरा पाकिस्तान बॉर्डर से महज ३५० किमी की दूरी। अयोध्या के राम मंदिर की सुरक्षा बेहद कड़ी है जो २४:७ एक्टिव रहती है। इनकी मुख्य जिम्मेदारी यूपी पुलिस की स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स और केंद्रीय बलों के पास है। परिसर में एआई से लैसले सीसीटीवी और बम निरोध ाक दस्ते तैनात रहते हैं। जबकि खाटू श्याम मंदिर में जिस हिसाब से भीड़ उमड़ती है, उस पर निगरानी के लिए सुरक्षा बंदोबस्त कम ही नजर आते हैं। गाजियाबाद में बड़े जासूस नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गाजियाबाद में पुलिस को वह तमाम चीजें हाथ लगी हैं। जहां जासूसों के जरिए पाकिस्तान तमाम चीजें भेजी गई हैं। यहां पे किसी तरह की अभी कोई विशेष जो सुरक्षा के इंतजामात हैं वो इस मंदिर पे नहीं है। मुनीर का प्लान योगी ने फेल कर दिया है। अब तक इस मामले में २६ से ज्यादा लोगों को हिरासत में भी लिया जा चुका है। अब आगे की जांच में एजेंसियां जुटी हुई हैं।

सम्पादकीय

गैस संकट गहराया: लंबी कतारें, सप्लाई बाधित–युद्ध और नीति की चूक से बढ़ी मुश्किलें

रसोई गैस के लिए हाहाकार मच गया है। जगह–जगह से सिलिंडर भरवाने के लिए गैस एजेंसियों के सामने लंबी कतारों की खबरें मिल रही हैं। ये हाल तब है, जबकि सरकार ने एलपीजी की ८०–८५ फीसदी सप्लाई औद्योगिक क्षेत्र से घरेलू उपयोग के लिए भेजने का निर्णय लिया है। क मर्शियल उपयोग के लिए गैस की सप्लाई काफी हद तक बाधित हो चुकी है। गौरतलब है कि अभी संकट के शुरुआती दिन हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध लंबा खिंचा (जिसकी पूरी संभावना है) और होरमुज जलडमरुमध्य का मार्ग बंद रहा, तो आने वाले दिनों में नोटबंदी या कोरोना काल जैसे परिमाण के संकट का सामना देश को करना पड़ सकता है। अब यह सामने आया है कि चूंकि गैस का भंडारण मंहगा पड़ता है, इसलिए भारत ने खुद को लगातार सप्लाई पर ही निर्भर बनाए रखा। अब चूंकि मुश्किल आ खड़ी हुई है, तो सरकार आपातकालीन निर्णय लेने को मजूबर है। उसने ऐसे लिए हैं, जिनसे घरेल उपभोक्ताओं को अधिकतम राहत मिल सके। यह सही, मगर समस्याग्रस्त प्राथमिकता है। आखिर श्रमिक वर्ग के लोग फैक्टरियों या कार्यस्थलों पर कैंटीन या ढाबों में भोजन करते हैं। लाइन होटल ट्रक एवं बस ड्राइवरों और अन्य लंबी दूरी के यात्रियों के खाना खाने की जगहें हैं। फिर अनगिनत लोग रोज कामकाज के सिलसिले में यात्राओं पर जाते हैं, जो रेस्तरां या होटलों में ही भोजन करते हैं। फिलहाल स्थिति यह है कि अनेक शहरों से रेस्तरां और होटलों में मेनू की कटौती हो रही है और कुछ रोज में उनके बंद हो जाने की चेतावनी दी गई है। रेस्तरां और क्लाउड किचन पर लाखों कर्मचारी एवं होम फूड डिलिवरी से जुड़े गिग वर्कर निर्भर हैं। उधर औद्योगिक गैस की कटौती से कल–कारखाने बंद हुए, तो उसका असर लाखों नौकरीशुदा लोगों पर पड़ेगा। उत्पादन, वितरण, एवं उपभोग में गिरावट से अर्थव्यवस्था पर होने वाला दूरगामी असर अलग है। तो कुल मिलाकर देश एक बड़ी मुश्किल में फंसता नजर आ रहा है। इसके मद्देनजर क्या यह कहना काफी होगा कि युद्ध होता है, तो दिक्कत होती है? या एहतियाती कदम ना उठाने के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन से आया यह बड़ा परिवर्तन: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राज्य में हुए 'परिवर्तन' का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और इस अवसर पर जनता को बधाई दी। उत्तर प्रदेश सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने उन कारकों पर सवाल उठाया, जिन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान कानून–व्यवस्था में गिरावट और युवा पलायन में वृद्धि में योगदान दिया। योगी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन आया है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन, पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत, जन प्रतिनिधियों के कार्यों और जनता के सहयोग के कारण है। नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में किन कारणों से युवाओं में पहचान का संकट पैदा हुआ था? सबसे उपजाऊ राज्य होने के बावजूद हमारे किसान आत्महत्या क्यों कर रहे थे? बेटियों और व्यापारियों के पास कोई सुरक्षा नहीं थी। हमारे युवा राज्य से बाहर पलायन करने को मजबूर थे। मौजूदा सरकार के अधीन स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि नवरात्रि और रमजान का महीना एक साथ पड़ रहे हैं, लेकिन राज्य में सुरक्षा व्यवस्था

होने के कारण दंगे या कर्फ्यू जैसी सांप्रदायिक समस्याओं के कोई संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कल से नवरात्रि शुरू हो रही है और रमजान का महीना चल रहा है। परसों अलविदा की नमाज होगी और ईद २० या २१ तारीख को हो सकती है। क्या कहीं कोई अशांति है? सभी त्योहार शालीनता से मनाए जा रहे हैंय कहीं कोई अशांति नहीं है। यह सुरक्षा का ही कमाल है। कल से त्योहार शुरू हो रहे हैं और लोग खुश हैं। कोई डर नहीं, कोई तनाव नहीं, कोई अराजकता नहीं, कोई अव्यवस्था नहीं, कर्फ्यू का कोई डर नहीं, दंगों का कोई डर नहीं। इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि राज्य सरकार २०२६–३० वित्तीय वर्ष तक उत्तर प्रदेश को १ ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए काम करेगी। २८ मार्च को होने वाले जेवर हवाई अड्डे के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री मोदी को उद्घाटन का निमंत्रण भेजा है। इसी अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (एसपी) पर तीखा हमला करते हुए अतीत की अराजकता की तुलना वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से की। उन्होंने सपा नेता अखिलेश यादव के कार्यकाल पर राज्य को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज समाजवादी पार्टी को सत्ता से बेदखल हुए नौ साल बीत चुके हैं, और अब सत्ता में फिर से जगह बनाने की बेताब कोशिश में वे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं।

'जिसे अंधविश्वास कहा, वो अब राष्ट्र का गौरव', राम मंदिर का निर्माण पूर्ण : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राम यंत्र की स्थापना से सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति होती है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की आस्था को अंधविश्वास के नाम पर अपमानित किया जाता था, लेकिन वर्षों के कष्टों के बावजूद, लोगों की भक्ति कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। आज, मंदिर में श्री राम यंत्र की स्थापना पूर्ण होने के अवसर पर की गई है, जिससे सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति हो रही है। यही भारत की सच्ची आस्था है। योगी ने कहा कि वह आस्था जिसे पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसका अपमान करने वाले वही लोग थे जो उत्तर प्रदेश या देश में सत्ता में थे। अब हम सभी गर्व महसूस कर सकते हैं। इस भक्ति ने वर्षों–वर्ष कष्ट सहे हैं, लेकिन कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि

यह भारत के राष्ट्रीय मंदिर का प्रतीक बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने नई पीढ़ी की देवी–देवताओं के प्रति श्रद्धा की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत है। नई पीढ़ी सही राह पर है। वे नव वर्ष मनाने के लिए मंदिरों में जाते हैं, न कि किसी पर्यटन स्थल पर। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राम यंत्र स्थापित किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। यंत्र को मंदिर के दूसरे तल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम तल भी है और पूर्णता का प्रतीक है। इस अवसर के उपलक्ष्य में, अयोध्या शहर को मुख्य सड़कों, चौराहों और मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर बड़े–बड़े बैनरों और पोस्टरों से सजाया गया था, जिन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित थीं। सड़कों को भगवा झंडों और सजावटी पताकाओं से सजाया गया था, जिससे पूरे शहर में धार्मिक और उत्सवपूर्ण माहौल बन गया था। प्रशासन ने इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन को और भी बेहतर बनाया था।

उत्तर प्रदेश के बांदा में एलपीजी माफिया पर बड़ी छापेमारी में ७०० सिलेंडर गायब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एलपीजी संकट गहराता जा रहा है और बांदा जिले में अचानक हुई छापेमारी में कालाबाजारी का एक गिरोह बेनकाब हो गया है। एक ही दिन में ७०० से अधिक सिलेंडर गायब पाए गए, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में पर्याप्त स्टॉक दिखाया जा रहा था। कई दिनों से गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही थीं, लोग धूप में इंतजार कर रहे थे और खाली हाथ लौट रहे थे। कई लोगों ने बताया कि वे चार–पांच दिनों से बिना सिलेंडर भरवाए आ रहे थे। एक उपभोक्ता ने कहा कि हम हर रोज आते हैं, लेकिन यहां पेट्रोल नहीं मिलता। दूसरी जगहों पर यह ज्यादा दामों पर बिक रहा है। शिकायतों के आधार पर, जिला मजिस्ट्रेट के निर्देश पर एसडीएम नमन मेहता के नेतृत्व में एक टीम ने गैस एजेंसियों, होटलों और रेस्तरां का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जो मिला, वह आधिकारिक आंकड़ों से बिल्कुल उलट था। एक एजेंसी में पोर्टल पर ६१६ घरेलू सिलेंडर दर्ज थे, जबकि मौके पर केवल ३१० सिलेंडर ही मिले। इसी तरह, ११५ व्यावसायिक सिलेंडर सूचीबद्ध थे, लेकिन निरीक्षण के दौरान एक भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं था। अधिकारियों का कहना है कि इससे पता चलता है कि एक ही दिन में ७०० से अधिक सिलेंडरों की हेराफेरी और कालाबाजारी हुई है। निरीक्षण में यह भी पता चला कि होटल व्यावसायिक सिलेंडरों के बजाय घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग कर रहे थे, जिससे घरों में एलपीजी की कमी और बढ़ गई। डीएम के निर्देशों के तहत गैस एजेंसियों, होटलों और रेस्तरां में निरीक्षण किया गया। एसडीएम नमन मेहता ने कहा कि पोर्टल पर दिखाया गया स्टॉक जमीनी स्तर पर पाए गए स्टॉक से मेल नहीं खाता था। जांच के बाद, प्रशासन ने दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज की है। लापता सिलेंडर और घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग के मामले में। एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ऐसे ही मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह संकट ऐसे समय में आया है जब ईरान–इजराइल संघर्ष सहित वैश्विक तनावों के कारण एलपीजी आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हालांकि अधिकारी आपूर्ति को पर्याप्त बता रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

सड़क पर नमाज नहीं! ईद-उल-फितर से पहले उलमा की अपील

मेरठ। अगर आज सऊदी अरब में चांद दिखता है, तो भारत में शुक्रवार को ईद–उल–फितर मनाई जाएगी। इसे लेकर मस्जिदों में पूरी तैयारी कर ली गई है। मेरठ में ईद की नमाज सुबह ६ बजे से ६ बजे के बीच अलग–अलग मस्जिदों में पढ़ी जाएगी। इसके समय प्रशासन और मस्जिद कमेटियों ने तय करके बता दिए हैं। उलमा ने लोगों से कहा है कि वे ईद की नमाज सिर्फ मस्जिदों और ईदगाहों में ही पढ़ें। सड़क पर नमाज न पढ़ें, ताकि ट्रैफिक और लोगों को परेशानी न हो। ईद के मौके पर मेरठ रेंज में सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। यहां ४६० ईदगाह और १८६५ मस्जिदों में नमाज होगी। जो जगहें ज्यादा संवेदनशील हैं, वहां खास नजर रखी जाएगी। पूरे इलाके को २३ जोन और ७६ सेक्टर में बांटा गया है, ताकि सुरक्षा सही तरीके से हो सके।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बड़ा संदेश, राम-राज्य के आदर्शों से ही बनेगा विकसित भारत

लखनऊ/अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री राम यंत्र स्थापित किया और वैदिक मंत्रों के बीच प्रार्थना की, जो मंदिर निर्माण में एक महत्वपूर्ण

उपलब्धि है। श्री राम यंत्र को मंदिर की दूसरी मंजिल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम तल भी है और पूर्णता का प्रतीक है। इस स्थापना के साथ ही मंदिर का निर्माण पूरा माना जाता है। ध ार्मिक अनुष्ठान दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के वैदिक विद्वानों द्वारा पुरोहित गणेश्वर शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न किए गए। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में श्री राम यंत्र स्थापना कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। उन्होंने कहा कि इस परम पवित्र श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, यहां रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म–ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्ंति की स्वर्णिम तिथियां हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष २०४७ या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। राम–राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। मैं चाहूंगी कि हमारे सभी देशवासी 'घट–घट व्यापी राम' के पवित्र भक्ति–भाव के साथ एकात्म होकर आगे बढ़ें। हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक, इन सभी आयामों पर हो रहा है। देव–भक्ति और देश–भक्ति, दोनों का मार्ग एक ही है। अयोध्या पहुंचने पर राष्ट्रपति का स्वागत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने किया। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, राष्ट्रपति मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लगभग ४०० श्रमिकों को सम्मानित भी करेंगी। वह परिसर के बाहरी हिस्से में स्थित एक मंदिर पर ध्वजारोहण भी करेंगी, जिसे परकोटा के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए पूरे शहर में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर की ओर जाने वाली सड़कों को भगवा झंडों और बैनरों से सजाया गया है, जिससे उत्सवपूर्ण और भक्तिमय वातावरण का निर्माण हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने राजस्थान से दिया 'श्रेष्ठ भारत' का मंत्र, बोले- हर वर्ग का योगदान है जरूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसका निर्माण संतों की तपस्या, वीर पुरुषों और महिलाओं के बलिदान और किसानों, कारीगरों और शिल्पकारों की कड़ी मेहनत से हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जब समाज का हर वर्ग मिलकर योगदान देता है, तभी राष्ट्र मजबूत होता है। राजस्थान के जालोर स्थित श्री रत्नेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित महायज्ञ और धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में एकता और सामूहिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब समाज का हर वर्ग एकजुट होकर योगदान देता है, तभी श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश बनता है। हर व्यक्ति के जीवन का लक्ष्य श्एक भारत–श्रेष्ठ भारतश का निर्माण होना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ऐतिहासिक मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं और उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे, जहां महायज्ञ और धर्म सभा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सांस्ंतिक और आध्यात्मिक परंपराओं ने देश की पहचान को आकार देने और विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों के बीच एकता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पहले, १४ मार्च को, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि कई वर्षों बाद सोंगल गांव में संतों और श्रद्धालुओं का एक विशाल समूह एकत्रित हुआ है, जो इस भूमि के आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक विरासत

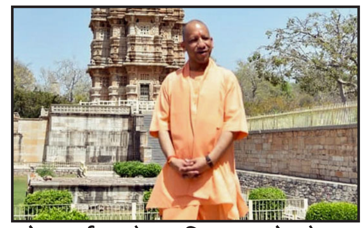

को दर्शाता है। हरियाणा के कैथल स्थित सोंगल गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान धर्म सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर और पवित्र स्थल पर एकत्रित संतों और श्रद्धालुओं का आशीर्वाद प्राप्त करके खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई वर्षों बाद, इतने विशाल संख्या में संत और श्रद्धालु सोंगल में एकत्रित हुए हैं। इस पवित्र भूमि पर, जिसने हर युग में अपना प्रभाव दिखाया है, मुझे आज इस पवित्र भंडारा और धर्म सभा के माध्यम से आपके दर्शन करने और आपके माध्यम से उस पवित्र परंपरा को अपना सम्मान अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर प्रदेशभर में आक्रोश

लखनऊ। प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर बिजली उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। प्रदेश के कई जिलों में नेगेटिव बैलेंस के चलते लाखों उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए, जिनमें उपभोक्ताओं ने भुगतान करने के बावजूद आरएमएस सिस्टम में रिचार्ज सिंक न होने के कारण समय पर बिजली कनेक्शन बहाल नहीं हो सके। इससे पूरे प्रदेश में उपभोक्ताओं के बीच आक्रोश की स्थिति बन गई। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार से मुलाकात कर लोक महत्व का प्रतिवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि १४ मार्च को हजारों उपभोक्ताओं ने भुगतान कर दिया था, फिर भी उनके कनेक्शन समय पर नहीं जोड़े गए। परिषद ने मांग की है कि ऐसे सभी उपभोक्ताओं को स्टैंडर्ड ऑफ परफॉर्मेंस कानून २०१९ के तहत मुआवजा दिया जाए। परिषद ने यह भी मांग उठाई कि स्मार्ट प्रीपेड मोड में जिन उपभोक्ताओं पर बकाया हो गया है, उन्हें पोस्टपेड उपभोक्ता मानते हुए विद्युत वितरण संहिता के तहत किस्तों में भुगतान की सुविधा दी जाए, ताकि गरीब उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। परिषद अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बिना उपभोक्ताओं को सूचना दिए उनके पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा दिए गए और उन्हें प्रीपेड मोड में बदल दिया गया, जो विद्युत अधिनियम २००३ की धारा ४७(५) का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि आज बरेली में होने वाली बिजली दरों की सुनवाई में परिषद इस मुद्दे को जोर–शोर से उठाएगी और स्मार्ट प्रीपेड मीटर के साथ बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ आर–पार की लड़ाई लड़ेगी।

योगी सरकार का बड़ा फैसला उत्तर प्रदेश में एक अप्रैल से हर अंडे पर लिखनी होगी समाप्ति तिथि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने १ अप्रैल से सभी डेयरी उत्पादकों के लिए अंडे देने की तारीख और उसकी समाप्ति तिथि सहित महत्वपूर्ण विवरणों पर मुहर लगाना अनिवार्य कर दिया है। नए नियम के अनुसार, मुर्गी पालकों और आपूर्तिकर्ताओं को उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक अंडे पर उत्पादन तिथि और समाप्ति तिथि स्पष्ट रूप से अंकित करनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नियम का पालन न करने वाले किसी भी व्यापारी या उत्पादक के अंडे नष्ट किए जा सकते हैं या उन्हें मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जा सकता है। लखनऊ के अधि ाकारियों के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद करना है कि खरीदते समय अंडे कितने ताजे हैं। इससे खरीदारों को बेहतर निर्णय लेने और बासी अंडे खाने से बचने में भी मदद मिलेगी। शोध से पता चलता है कि लगभग ३० डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखे जाने पर अंडे देने की तारीख से दो सप्ताह तक खाने योग्य रहते हैं। हालांकि, यदि अंडों को २ डिग्री सेल्सियस से ८ डिग्री सेल्सियस के बीच रेफ्रिजरेट किया जाए तो उनकी शेल्फ लाइफ पांच सप्ताह तक बढ़ सकती है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के नियमों के अनुसार, तापमान की अलग– अलग आवश्यकताओं के कारण अंडों को सब्जियों के साथ नहीं रखा जा सकता है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में कोल्ड स्टोरेज सुविध ााओं की कमी है। वर्तमान में, उत्तर

प्रदेश में अंडों के लिए केवल दो कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं हैं, एक आगरा में और दूसरी झांसी में। पशुपालन एवं दुग्ध विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, हाल ही में हुए निरीक्षण में पाया गया कि कई अंडा विक्रेता नियमों का पालन नहीं कर रहे थे, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि अंडे बिना उचित जांच के बेचे जा रहे थे और उपभोक्ताओं को उनकी गुणवत्ता या ताजगी के बारे में जानकारी नहीं थी।

चुनाव आयोग भाजपा के इशारों पर हो रहा कामः अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि भाजपा फर्जी तरीके से प्रिंटेड फार्म–७ और नकली हस्ताक्षरों के जरिए सपा समर्थकों के वोट कटवाने की साजिश कर रही है। पार्टी की ओर से इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की गई, लेकिन अब तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सपा प्रमुख ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं होती, वहां चुनाव के दौरान डीजीपी और मुख्य सचिव जैसे अधिकारियों को हटा दिया जाता है, जबकि भाजपा शासित राज्यों में ऐसा नहीं होता। यूपी में भी कई बार ऐसे अधिकारियों को नहीं हटाया गया, जिनके परिवार के लोग चुनाव लड़ रहे थे। सपा अध्यक्ष ने रसोई गैस की कमी को लेकर भी केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता गैस सिलेंडर के लिए परेशान है, जबकि भाजपा झूठे दावे कर रही है। पुलिस भर्ती में विवादित सवाल के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार पर समाज को बदनाम करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि कांशीराम और मुलायम सिंह यादव ने मिलकर भाजपा का मुकाबला किया था और देश की राजनीति को नई दिशा दी थी।

Chicken's Neck काटने की धमकी देने वाला शरजील इमाम

६ साल बाद जेल से बाहर आया, भाई की शादी में शामिल होगा

नई दिल्ली। साल २०२० के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के मामले का आरोपी शरजील इमाम लगभग छह साल बाद आज जेल से बाहर आ गया। हम आपको बता दें कि स्थानीय अदालत ने शरजील को सीमित अवधि के लिए अंतरिम जमानत प्रदान की है ताकि वह अपने छोटे भाई के विवाह में शामिल हो सके और अपनी बीमार मां से मिल सके। अदालत का यह फैसला ६ मार्च को कड़कड़डूमा अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी द्वारा सुनाया गया। अदालत ने शरजील इमाम को २० मार्च से ३० मार्च २०२६ तक कुल १० दिनों की अंतरिम जमानत दी है। इस राहत के लिए अदालत ने ५० हजार रुपये के निजी मुचलके के साथ इतनी ही राशि के दो जमानती प्रस्तुत करने की शर्त रखी थी। साथ ही जमानत के दौरान कई सख्त शर्तें भी लगाई गई हैं। हम आपको बता दें कि शरजील इमाम ने अदालत से छह सप्ताह की अंतरिम जमानत की मांग की थी। उसकी ओर से दायर अर्जी में कहा गया था कि उसके छोटे भाई मुज्जम्मिल इमाम का विवाह २५ मार्च को निर्धारित है। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी थी कि बड़े भाई होने के नाते शरजील की उपस्थिति विवाह के विभिन्न कार्यक्रमों में आवश्यक है। २२ मार्च से २८ मार्च के बीच यह सभी कार्यक्रम आयोजित होने हैं। अर्जी में यह भी बताया गया कि शरजील इमाम की मां बीमार हैं और उनकी देखभाल मुख्य रूप से छोटा भाई करता है। विवाह की तैयारियों में व्यस्त रहने के कारण मां की देखभाल प्रभावित हो सकती है, इसलिए शरजील की उपस्थिति जरूरी है। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने इस मांग का विरोध किया था। सरकारी वकील ने अदालत को बताया था कि विवाह की तैयारियां पहले ही पूरी हो चुकी हैं और शरजील की उपस्थिति अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा अभियोजन ने यह भी उल्लेख किया था कि शरजील इमाम की नियमित जमानत याचिकाएं पहले निचली

अदालत, दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं। अभियोजन ने आशंका जताई थी कि रिहाई की स्थिति में वह साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर सकता है या गवाहों को प्रभावित कर सकता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और विवाह से संबंधित तथ्यों की पुष्टि करने के बाद अदालत ने छह सप्ताह की बजाय केवल १० दिनों की सीमित राहत देने का निर्णय लिया था। हम आपको बता दें कि अदालत ने अंतरिम जमानत के दौरान कई स्पष्ट निर्देश भी दिए हैं। शरजील इमाम को किसी भी गवाह या मामले से जुड़े व्यक्ति से संपर्क करने की अनुमति नहीं होगी। उसे अपना मोबाइल नंबर जांच अधिकारी को देना होगा और उसे हर समय सक्रिय रखना होगा। साथ ही उसे मीडिया से बातचीत करने और सोशल मीडिया के उपयोग से भी दूर रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त अदालत ने कहा है कि जमानत अवधि के दौरान शरजील केवल अपने परिवार के सदस्यों से ही मिलेगा और या तो अपने निवास स्थान पर रहेगा या विवाह समारोह के स्थलों पर ही उपस्थित रहेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शरजील इमाम को ३० मार्च की शाम तक जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा। इसके बाद संबंधित प्राधिकरण द्वारा अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। हम आपको याद दिला दें कि यह मामला फरवरी २०२० में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से जुड़ा है, जिसमें ५० से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी और ७०० से ज्यादा लोग घायल हुए थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार यह हिंसा नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी। इस बीच, अदालत के इस निर्णय को मानवीय आधार पर दी गई सीमित राहत के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें न्यायिक प्रक्रिया के साथ पारिवारिक परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है लेकिन कानूनी विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि राहत का दुरुपयोग करना बड़ी परेशानी का कारण भी बन सकता है।

होली हिंसा के बाद ईद से पहले उत्तम नगर में हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

नई दिल्ली। संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद, ईद-उल-फितर से पहले उत्तम नगर और दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। होली के उत्सव के दौरान ४ मार्च को दो समुदायों के बीच हुई झड़पों में २६ वर्षीय युवक की मौत के बाद उत्तम नगर में तनाव गहराता जा रहा है। इसी के चलते दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को इस मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। तनाव को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने उत्तम नगर और आसपास के द्वारका जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है। उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्तृत तैनाती योजना तैयार कर ली गई है। अधिकारी ने कहा कि कर्मी किसी भी स्थिति में

तुरंत कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी रेंज) जतिन नरवाल ने कहा कि सांप्रदायिक तनाव और कानून व्यवस्था के उल्लंघन से बचने के लिए हस्तसाल गांव और उसके आसपास पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और सशस्त्र अर्धसैनिक बलों के सुरक्षाकर्मी पर्याप्त संख्या में तैनात रहेंगे। हमारा मुख्य ध्यान मस्जिदों, ईदगाहों और ईद के दौरान मुसलमानों द्वारा देखे जाने वाले धार्मिक स्थलों पर रहेगा। होली के दिन चार मार्च को जेजे क लोनी में दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुई झड़प में घायल होने के बाद तरुण (२६) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह झगड़ा उस वक्त शुरू हुआ जब एक परिवार की लड़की द्वारा फेंका गया पानी का गुब्बारा गलती से दूसरे परिवार की एक महिला को लग गया। इस घटना के बाद कुछ समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिस दौरान आरोपियों की दो गाड़ियों में आग लगा दी गई। पुलिस ने मामले में अब तक दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है और १२ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य सार्वजनिक स्थलों, जहां बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना है, के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वाहनों की जांच सहित नियमित रूप से गश्त की जा रही है। पुलिस ने बताया कि भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने और उस पर अंकुश लगाने के लिए सोशल मीडिया की निगरानी भी तेज कर दी गई है तथा कई आपत्तिजनक पोस्ट का पता लगा कर कार्रवाई की गई है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। जागरूकता अभियान के तहत, कई इलाकों में फ्लैग मार्च किए गए हैं और ईद के दौरान भी निवासियों में विश्वास जगाने के लिए मार्च जारी रहेंगे। उत्तम नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने कहा कि सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी से कुछ हद तक स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''काफी संख्या में अवरोधक लगाये गए हैं और आवाजाही कम हो गई है। लोग अब भी चिंतित हैं, लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि हालात शांतिपूर्ण बने रहेंगे।

कुदरत का 'डबल अटैक'! झमाझम बारिश और ओलावृष्टि से ठिठुरी राजधानी, IMD का 'येलो अलर्ट' जारी

नई दिल्ली। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद समेत पूरे **NCR** में मौसम ने जबरदस्त करवट ली है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी के बीच, गुरुवार और शुक्रवार को हुई जोरदार बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (**IMD**) ने आने वाले घंटों में और बारिश व तेज तूफान का अनुमान जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में अब तक ६.४ उउ औसत बारिश दर्ज की गई है। हालांकि मार्च का सामान्य औसत १२.६ उउ होता है, लेकिन पिछले तीन सालों की तुलना में इस बार मार्च सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना बन गया है। इससे पहले मार्च २०२३ में ५०.४ उउ रिक र्ड बारिश हुई थी। पिछली बार, मार्च २०२३ में ज्यादा बारिश हुई थी, जब महीने की कुल बारिश ५०.४ उउ तक पहुँच गई थी। यह मौजूदा बारिश के दौर की तीव्रता को दिखाता है। शुक्रवार सुबह ८ बजे तक, राष्ट्रीय राजधानी के कई स्टेशनों पर बारिश दर्ज की गई, जिनमें सफदरजंग (८.२ **mm**), पालम (६.२ **mm**), लोधी रोड (८.२ **mm**), रिज (८.६ **mm**) और आयानगर (७.२ **mm**) शामिल हैं। शुक्रवार को पीतमपुरा (५.५ **mm**), पूसा (११.० **mm**), मयूर विहार (३.० **mm**) और जनकपुरी (१२.५ उउ) जैसे कई अन्य स्टेशनों पर भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई। गुरुवार को भी ऐसी ही बारिश हुई थी, जब तेज हवाओं ने राष्ट्रीय राजधानी को अपनी चपेट में ले लिया था। इससे दिन का तापमान तेजी से गिर गया और मार्च का महीना पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना बन गया, जिसमें औसत ६.४ उउ बारिश हुई। अधिकतम तापमान २६.८ डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस महीने अब तक का सबसे कम तापमान है। प्डक ने गुरुवार रात ११.१५ बजे तक शहर के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 'ऑरेंज अलर्ट' का मतलब है कि गंभीर मौसम की स्थितियों के लिए 'तैयार रहें', जिससे रोजमर्रा की जिंदगी, जिसमें परिवहन और नियमित गतिविधियाँ शामिल हैं, बाधित हो सकती हैं। इस बीच, लगातार छाए बादलों और रुक-रुककर हुई बारिश से शहर को राहत मिली, जो कई दिनों से उमस भरी गर्मी से जूझ रहा था। बुधवार को भी दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई। सफदरजंग में, सुबह ८.३० बजे से ११.३० बजे के बीच हल्की बारिश दर्ज की गई। आयानगर में दोपहर २.३० बजे तक ०.५ उउ और शाम ५.३० बजे तक ०.७ उउ, यानी अपेक्षाकृत ज्यादा बारिश दर्ज की गई। **IMD** ने पहले दिल्ली, नोएडा, दादरी और ग्रेटर नोएडा में 'ओलावृष्टि और गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश और बिजली गिरने (४० ५० **kmph** की तेज हवाएँ)' का अनुमान लगाया था। **IMD** ने शुक्रवार के लिए भी ऐसे ही हालात का अनुमान लगाया हैय दिल्ली-**NCR** के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएँ जारी रहने की संभावना है। 'पश्चिमी विक्षोभ इस समय उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू-कश्मीर के ऊपर मौजूद है, जिसकी वजह से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। साथ ही, हरियाणा के ऊपर बना एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में बारिश का कारण बन रहा है,' स्काईमेट के महेश पालावत ने बताया।

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में माहौल गरमाएंगे यूपी के 50 कांग्रेस नेता

लखनऊ। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा कर दी है तो प्रदेश कांग्रेस में भी हलचल शुरू हो गई है। पांचों राज्यों में चुनाव कराने के लिए यूपी से प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष दिग्गज कांग्रेस नेताओं को भेजा जाएगा, जोकि राज्यों में जाकर चुनावी माहौल को गरमाएंगे। इसी क्रम में यूपी से भी दिग्गज नेताओं को पश्चिम बंगाल और असम समेत पांचों राज्यों में उतारने की योजना तैयार कर ली गई है। इसके लिए करीब ५० नेताओं को चुना जाएगा। इसके लिए गहन मंथन शुरू हो गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने

बताया कि पार्टी नेताओं को चुनाव के लिए राज्यों में भेजा जाएगा। इसके लिए नेताओं के कद के हिसाब से लिस्ट तैयार की जा रही है।चुनाव आयोग ने बीते दिन असम, केरल, तमिलनाडु, वेस्ट बंगाल और पांडुचेरी में चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा कर दी। फिलहाल असम में भाजपा की सरकार है, जबकि पाडुंचेरी में भाजपा के समर्थन से एआईएनआरसी की सरकार चल रही है। केरल में वामपंथी गठबंधन, पश्चिम बंगाल में टीएमसी और तमिलनाडु में डीएमके की सरकार है। कांग्रेस चाहती है कि एक बार फिर वह इन राज्यों में सत्ता में लौटे। इसके लिए पूरी ताकत लगाने की तैयारी कर रही है।

केरला मेरा घर, लोग परिवार, राहुल गांधी ने यूडीएफ के लिए मांगा समर्थन, कहा- बदलाव तय है

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह गठबंधन जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है। ग पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा कि टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। प्रत्येक उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है। यह अनुभवी नेताओं और युवा परिवर्तनकर्ताओं का एक समूह है – ऐसे मजबूत पुरुष और महिलाओं की टीम जो अपने प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों की बारीकियों को समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मेरे लिए केरलम घर है और केरलम के लोग परिवार हैं। मैं लोगों का बहुत आभारी हूं, उन्होंने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और जिस प्यार और स्नेह से मुझे अपनाया है, उसके लिए – मैं हमेशा आपका साथी रहूंगा। उन्होंने आगे कहा

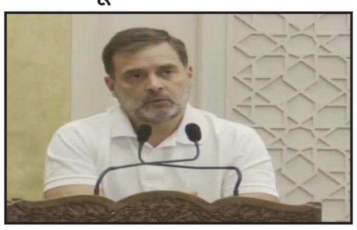

कि केरल से संदेश स्पष्ट है – लोग बदलाव के लिए तैयार हैं, वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो उनकी बात सुने, समझे और ईमानदारी से काम करे। आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर, मैं इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के निर्माण में हर संभव प्रयास करूंगा। केरल की जीत होगी। यूडीएफ नेतृत्व करेगा। ये बयान कांग्रेस पार्टी द्वारा केरल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के एक दिन बाद आया है। विपक्ष के नेता वीडी सतीशान ने कहा कि पार्टी ने उन सभी ६५ सीटों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे दिया है जिन पर वह चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने केरल विधानसभा चुनाव के लिए सभी ६५ उम्मीदवारों का चयन कर लिया है... हमने परसों ५५ सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की थी और अब शेष ४० सीटों के उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। उम्मीदवारों का चयन पूरा हो चुका है, अब हम चुनाव प्रचार में जुटेंगे।

ताहिर हुसैन को कोर्ट से झटका, Medical Bail खारिज, लेकिन १५ दिन में होगी सर्जरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को २०२० के दिल्ली दंगों से संबंधित एक मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उनकी सर्जरी १५ दिनों के भीतर कराई जाए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह हुसैन की चिकित्सा कारणों से एक महीने की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इन तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, इस आवेदन का निपटारा इस शर्त पर किया जाता है कि आवेदक की आवश्यकता अनुसार सर्जरी आज से १५ दिनों के भीतर की जाए, जब तक कि किसी चिकित्सीय जटिलता के कारण सर्जरी में देरी न हो। हुसैन, जो ६ अप्रैल, २०२० से न्यायिक हिरासत में हैं, ने उत्तर–पूर्वी दिल्ली में २०२० के दंगों से संबंधित एक मामले में २० मार्च से २० अप्रैल तक जमानत मांगी थी। उन्होंने इंगुइनल हर्निया का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत मांगी थी, जिसके लिए सर्जरी और अ परेशन

के बाद की देखभाल की आवश्यकता है। न्यायाधीश ने कहा कि डॉक्टर की सिफारिशों के अनुसार आवेदक को अस्पताल और जेल में ऑपरेशन के बाद की सभी देखभाल प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यद्यपि आवश्यक प्रक्रिया ऐच्छिक है, फिर भी आरोपी को समय पर उपचार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि आवेदक की सर्जरी ऐच्छिक सर्जरी है जिसे आरोपीध आवेदक अपनी आवश्यकतानुसार चुन सकता है। आरोपी का रूढ़िवादी उपचार किया जा रहा है और कोई जटिलता नहीं देखी गई है। हुसैन के वकील ने कहा कि प्रणाली पर अत्यधिक बोझ के कारण अस्पताल जाने और चिकित्सा परीक्षणों में देरी से समय पर उपचार में बाधा आई है और उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल और डॉक्टर से सर्जरी कराने की अनुमति दी जानी चाहिए। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि हुसैन की हालत स्थिर है और जानलेवा नहीं है, और सर्जरी ऐच्छिक है। अदालत ने गौर किया कि चिकित्सा रिपोर्टों में स्थिति को एक साधारण हर्निया बताया गया है जिसके लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

मान-मनौव्वल के बाद NDA में बनी बात, CM Rangasamy की एआईएनआरसी को १६, भाजपा को १४ सीटें

नई दिल्ली। पुडुचेरी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एआईएनआरसी और भाजपा के बीच सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद चुनावी गठबंधन और मजबूत हो गए हैं। एआईएनआरसी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी और भाजपा के केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने समझौते को अंतिम रूप दिया, जिसके तहत एआईएनआरसी को १६ सीटें और भाजपा को १४ सीटें आवंटित की गईं, जिनमें एआईएडीएमके और एलजेके के लिए भी सीटें शामिल हैं। इस समझौते से ६ अप्रैल को होने वाले चुनावों का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश की सभी ३० सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। सूत्रों के मुताबिक, रंगासामी जल्द ही अपना नामांकन दाखिल करने वाले हैं और इस बार दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की संभावना है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि पुडुचेरी में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (AINRC) राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (NDA) का नेतृत्व करती रहेगी। गुरुवार शाम तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि रंगासामी एनडीए छोड़कर अभिनेता विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकते हैंय हालांकि, भाजपा ने तुरंत अपने चुनाव प्रभारी – केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया – को विशेष विमान से पुडुचेरी भेजा और ऐसा लगता है कि वे रंगासामी को मनाने में सफल रहे। इस बीच, कांग्रेस और एमके स्टालिन की द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के बीच गठबंधन भी गतिरोध में फंसा हुआ है। पिछले चुनावों की तरह, इस बार भी कांग्रेस पुडुचेरी में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का नेतृत्व करना चाहती हैय हालांकि, डीएमके ने ढ़ता से कहा है कि तमिलनाडु की तरह ही पुडुचेरी में भी गठबंधन का नेतृत्व वही करेगी।

पुडुचेरी में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार होने के साथ, डीएमके सूत्रों का मानना है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन शुक्रवार या शनिवार को पुडुचेरी में गठबंधन को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। गुरुवार को, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के मंदिरों की तीर्थयात्रा पर गए और उन्होंने सलेम स्थित श्री सर्गुरु अप्पा पैथियम स्वामीगल मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने तिरुचेंदूर स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर और मदुरै स्थित मीनाक्षी मंदिर में भी पूजा–अर्चना की। उनके साथ पार्टी का कोई भी सदस्य नहीं था, और एआईएनआरसी सूत्रों के अनुसार, रंगासामी ने आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों और गठबंधन सहयोगियों के उम्मीदवारों की जीत के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा। मदुरै–थूथुकुडी राजमार्ग पर यात्रा करते समय चुनाव अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की कार की जांच की।

दूसरी बार पढ़ी गई अलविदा की नमाज

धौरहरा खीरी। ईद का चांद न दिखने से ईद उल फितर आपसी भाईचारे का प्रतीक ईद के आखिरी शुक्रवार को पड़ने वाली अलविदा की नमाज दूसरी बार पढ़ी गई।तराई क्षेत्र में पिछले शुक्रवार को अलविदा की नमाज शान्ति पूर्ण सम्पन्न हुई थी लेकिन संसय वस आज शुक्रवार को भी क्षेत्र की मस्जिदों में तहसील प्रशासन के जिम्मेदारो के साथ लेखपालों व पुलिस प्रशासन की देख–रेख में क्षेत्र में शान्ति से नमाज होने के संकेत मिले। जानकारी के अनुसार माहे रमजान के आखिरी शुक्रवार को क्षेत्र में अलविदा की नमाज अदा हुई थी।कुछ ससंय के बीच दूसरे शुक्रवार को पुनः अलविदा की नमाज प्रशासनिक अधिकारियों की देख–रेख में शान्ति पूर्ण सम्पन्न हुई।इसी के साथ क्षेत्र भर के ईदगाह परिसरों में ईद उल फितर की सामूहिक नमाज शनिवार को अता होगी। इसके लिए पुलिस प्रशासन के बड़े अफसरों से लेकर बीट कांस्टेबलो व राजस्व अमले बड़े से लेकर लेखपालों तक को अलग–अलग हिस्सों में तैनाती दी गई। भविष्य में होने वाले पंचायत चुनावों को लेकर सतर्क प्रशासन के अफसरों ने ड्रोन कैमरों से नमाज स्थल के साथ आसपास का जायजा लेने के प्रबंध किए गए। इस मामले में प्रशासनिक अफसरों की तरफ से कहा गया कि हम ईदगाह परिसरों से लेकर क्षेत्र के कोने–कोने तक सुरक्षा व्यवस्था के लिए जो कुछ होगा किया जाएगा।

यूपी में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई ताकतः सीएम योगी आज १,२२८ नर्सिंग अधिकारियों को बांटेंगे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों के तहत रविवार को प्रदेश के १,२२८ नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ४६२ अभ्यर्थियों को स्वयं नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे जबकि शेष ७३६ अभ्यर्थियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान जनप्रतिनिधियों के माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। यह पूरा कार्यक्रम लाइव प्रसारण के जरिए एक साथ जोड़ा जाएगा। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज की गई है, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और स्वास्थ्य

सेवाएं बेहतर हों। भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से पूरी की गई है। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव एवं महानिदेशक डॉ. सारिका मोहन के अनुसार, इन नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती प्रदेश के १३ राजकीय मेडिकल क लेजों आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं सहित दो प्रमुख संस्थानों, जेके कैंसर संस्थान और हृदय रोग संस्थान कानपुर में की जाएगी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों में १,०६७ महिलाएं और १३१ पुरुष शामिल हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष करीब डेढ़ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य तय किया है। इसी कड़ी में विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया जारी है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ६४ नवचयनित मुख्य सेविकाओं को भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे।

यूपी भाजपा कोर कमेटी की बड़ी बैठकः मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में बदलाव पर महामंथन, RSS के साथ बनी रणनीति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार मुख्यमंत्री आवास पर भाजपा कोर कमेटी की अहम बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन और सरकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार भी मौजूद रहे। इसके अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर विस्तार से मंथन हुआ। साथ ही पंचायत चुनाव से पहले ओबीसी आयोग के गठन पर भी गंभीर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में आगामी सोमवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में

महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन, आयोगों और निगमों में कार्यकर्ताओं के समायोजन तथा संगठन में व्याप्त नाराजगी को दूर करने के उपायों पर भी विचार–विमर्श हुआ। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। नेताओं ने आपसी मतभेद भुलाकर एकजुटता का संदेश देने की बात कही। साथ ही सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने और पिछली सरकारों से तुलना के माध्यम से प्रचार अभियान चलाने की रणनीति पर भी सहमति बनी। बैठक से पहले संघ और संगठन के बीच अलग से मंथन भी किया गया।

जिस पार्टी की नींव कांशीराम ने रखी, उसे खत्म करने में लगी रहीं कांग्रेस–सपाः मायावती

लखनऊ। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। इसे लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधा है। बसपा की अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि सपा व कांग्रेस आदि ये दलित–विरोधी पार्टियां, इस बार यूपी में विधानसभा आम चुनाव के नजदीक आते ही, इनके वोटों के स्वार्थ में बीएसपी के संस्थापक कांशीराम की सोची–समझी रणनीति के तहत जयंती मनाकर तथा कांग्रेस पार्टी तो अपनी केंद्र की सरकार में रहकर इनको 'भारत रत्न' की उपाधि न देकर, अब दूसरी पार्टी की सरकार से देने की मांग कर रही है, यह हास्यास्पद नहीं है तो क्या है? उन्होंने कहा कि ये पार्टियां शुरू से ही बीएसपी को खत्म करने में लगी रही हैं, जिस पार्टी की कांशीराम ने खुद नींव रखी है, जिसे इनकी एकमात्र उत्तराधिकारी

एवं बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष के जीते–जी कोई हिला नहीं सकता है। इतना ही नहीं, बल्कि इससे ऐसा भी लगता है कि इन पार्टियों के महापुरुषों में कोई जान नहीं है, जो अब ये हमारे महापुरुषों को भुनाने में लगे हैं, जिन्होंने कांशीराम के जीते–जी हर मामले में हमेशा इनकी उपेक्षा की है। मायावती ने आगे कहा कि इनके सम्मान में बीएसपी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को भी सपा सरकार द्वारा अधिकांशतः बदल दिया गया है। यह है इन पार्टियों का इनके प्रति दोगला चाल व चरित्र, इसलिए यदि सपा व कांग्रेस आदि के खासकर दलित चमचे चुप रहें तो उनके लिए यह बेहतर होगा। यही सलाह है। हालांकि, ऐसे लोगों से दूरी बनाने के लिए ही कांशीराम ने 'चमचा युग' के नाम से अंग्रेजी में एक किताब भी लिखी है।

मुख्यमंत्री योगी ने ईद–उल–फितर पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

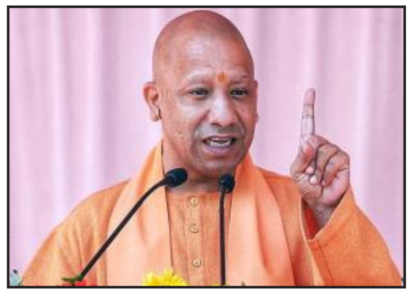

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईद–उल–फितर के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ईद–उल–फितर का पावन पर्व खुशी, मेल–मिलाप और आपसी भाईचारे का संदेश लेकर आता है। यह त्योहार समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह पर्व अमन–चौन और परस्पर सद्भाव को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर सभी लोगों को सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को और सु ढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए।

वृंदावन में स्वास्थ्य सेवा का नया अध्यायः राष्ट्रपति ने किया ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन, राज्यपाल बोलीं- 'नर सेवा ही नारायण सेवा'

मथुरा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण के लिए समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माध्यम बन जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज यहां रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम चौरिटेबल अस्पताल, वृंदावन धाम के नवनिर्मित ऑन्कोल जी ब्लाक का उद्घाटन किया और इस मौके पर राज्यपाल पटेल भी मौजूद थीं। लोक भवन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस अवसर पर आनंदीबेन पटेल ने वृंदावन की पावन धरा को सेवा एवं करुणा की भूमि बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के आदर्श को रामेंष्ण मिशन पिछले ११८ वर्षों से साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक छोटे सेवा केंद्र से ४०० बिस्तरों की सुविधा वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तक की यात्रा सेवा के विराट स्वरूप का उत्कर्ष है। राज्यपाल ने कहा, 'जब चिकित्सा विज्ञान मानवता के कल्याण हेतु समर्पित होता है, तब वह जीवन के पुनर्निर्माण का माधयम बन जाता है।' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अ ॅकोलॉजी ब्लॉक असंख्य मरीजों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। पटेल ने इस कार्य में संलग्न संन्यासियों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों तथा दानदाताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा से आंकी जाती है, इसलिए स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। स्वास्थ्य सेवाओं के सु ढ़ीकरण को समग्र विकास का मूल आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु

निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत बजट में नए मेडिकल क लेजों की स्थापना, सीटों के विस्तार तथा पूंजी निवेश के साथ–साथ आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए गए हैं। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि अस्पताल केवल उपचार का केंद्र न रहकर मानवीय संवेदनाओं के तीर्थस्थल बनें, जहां रोग के साथ–साथ भय और असुरक्षा से भी मुक्ति मिल सके। उन्होंने सभी से ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया, जहां स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार हों और सेवा, करुणा एवं मानवता प्रत्येक कार्य का आधार बने।

नवरात्रि पर ६०० पुलिसकर्मियों ने निकाली महिला सुरक्षा जागरूकता रैली

लखनऊ। मिशन शक्ति फेज ५.० के तहत लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने शुक्रवार को वासंतिक नवरात्रि के शुभारंभ पर महिला सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली। रैली पुलिस लाइन से शुरू होकर बादशाहनगर, लेखराज मार्केट, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए १०६० चौराहे पर समाप्त हुई। रैली को पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने रिजर्व पुलिस लाइन ग्राउंड से झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जेसीपी क्राइम अपर्णा कुमार, डीसीपी अपराध अनिल कुमार यादव और एडीसीपी महिला अपराध गोपीनाथ सोनी मौजूद रहे। रैली में २२० पिंक स्कूटी, टीयूवी और पीआरवी वाहनों के साथ करीब ६००

पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गांव, मोहल्लों और कस्बों तक पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों की ओर से हेल्पलाइन नंबर १०६०, ११२, १९३०, १०८ और १८१ की जानकारी दी जा रही है। साथ ही ६६ पिंक बूथों की सुविधाओं, साइबर अपराध से बचाव, सेल्फ डिफेंस और बच्चों को 'गुड टच–बैड टच' के बारे में जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से समाज में महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर जागरूकता और भरोसा दोनों मजबूत होंगे।

ईद को लेकर यूपी में हाई अलर्ट

लखनऊ। ईद–उल–फितर के पर्व को देखते हुए प्रदेश भर में हाई अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस ने धार्मिक स्थलों के आसपास शुक्रवार की देर रात से ही गश्त तेज कर दी गई, वहीं सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया गया। शनिवार को नमाज के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में ड्रोन से निगरानी की होगी। उध ार, लखनऊ से डीजीपी और अन्य आला अफसर प्रदेश भर की कानून व्यवस्था पर सीधे नजर रखेंगे। शनिवार को ईद–उल–फितर का पर्व है। इस दौरान सुबह ही ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी। इसके लिए डीजीपी राजीव कृष्ण की ओर से पहले ही साफ कर दिया गया था कि जिलों के पुलिस अधिकारी धार्मिक नेताओं के साथ बात कर तय कर लें कि सड़कों पर नमाज

नहीं होगी। धार्मिक स्थलों के पास रात को ही पुलिस तैनात कर दी जाएगी। नमाज के दौरान कोई भी जानवर व्यवधान पैदा नहीं कर पाए, इसके लिए पुलिस नगर निगम के कर्मियों के साथ रस्सा लेकर रहेगी। हालांकि सभी पालकों को पहले ही हिदायत दे दी गई है कि वह शनिवार को नमाज के दौरान जानवरों को बाड़ों में बंद रखें। ईद के साथ ही नवरात्र भी चल रहे हैं। ऐसे में साफ तौर पर निर्देश हैं कि मंदिरों पर भी कड़ी सुरक्षा रखी जाए। नवरात्र की पूजा अर्चना में कोई भी रुकावट नहीं आनी चाहिए। कोई भी असामाजिक तत्व गलत फायदा उठाने का प्रयास नहीं करे। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर दुधवा को बूस्टः ८.७६ करोड़ से इको–टूरिज्म को नई रफ्तार, बनेगा वर्ल्ड क्लास हब

लखनऊ/लखीमपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस (२१ मार्च) के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने दुधवा नेशनल पार्क को विश्वस्तरीय इको–टूरिज्म हब बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। इस योजना के तहत इंटरप्रिटेशन सेंटर के विकास, महेशपुर वन रेंज के उन्नयन और प्रमुख राजमार्गों पर साइनेज लगाने के लिए कुल ८. ७६ करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी की गई है। लखीमपुर खीरी के पलिया स्थित दुधवा में इंटरप्रिटेशन सेंटर को आधुनिक रूप दिया जाएगा। यहां भव्य मुख्य प्रवेश द्वार, स्वागत कक्ष, नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैंटीन, बहुउद्देशीय सभागार और पुस्तकालय का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही थारू जनजाति की संसेंति को दर्शाने वाले आकर्षक सेल्फी प इंट भी बनाए जाएंगे, जिससे पर्यटक स्थानीय परंपराओं से जुड़ सकेंगे महेशपुर वन रेंज में भी इको–टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पेयजल व्यवस्था, गजीबो, इंटरल किंग पाथवे, वर्षा जल संचयन प्रणाली, बेंच, एलईडी स्ट्रीट लाइट और सोलर लाइट्स जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा पर्यटकों के आकर्षण के लिए जानवरों की ओंतियां और सेल्फी पॉइंट भी बनाए जाएंगे। साथ ही लखनऊ और दिल्ली–एनसीआर से दुधवा आने वाले प्रमुख मार्गों पर साइनेज (संकेतक बोर्ड) लगाए जाएंगे, जिससे बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों को रास्ता ढूंढने में आसानी होगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ स्थानीय रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है। सरकार का मानना है कि ये पहल दुधवा क्षेत्र को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करेगी।

रांची मे हुए सड़क हादसे मे मृतक का तीसरे दिन गांव पहुंचा शव, पसरा मातम, हुआ अंतिम संस्कार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बिलहरी निवासी १६ वर्षीय किशोर की रांची में सड़क दुर्घटना में मौत के बाद गुरुवार को उसका शव परिजन गांव लेकर पहुंचे तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि बिलहरी निवासी प्रभाचंद का १६ वर्षीय पुत्र प्रियांशु मिश्रा ट्रक पर बतौर सहायक कार्य करता था। वह ८ मार्च को ट्रक पर मिर्च लोड कर रांची के लिए गया था। इसी दौरान रांची के पास रास्ते में ट्रक खाई में पलट गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक का भाई सत्यम मिश्रा अपने परिजनों के साथ रांची पहुंचा, जहां से एम्बुलेंस के माध्यम से शव गांव लाया गया। किशोर की असमय मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है।

नवरात्रि और ईद के संबंध में पीस कमेटी की मीटिंग आहुत।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आगामी ईद व नवरात्रि के उपलक्ष्य मे थाना मैलानी की पुलिस चौकी कुकरा मे पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष बृजेन्द्र मौर्य ने आये हये सभी लोगो से ईद के त्यौहार को शकुशल व आपसी भाई चारे के साथ सम्पन्न कराने का आह्वान किया। इस दौरान कुकरा चौकी प्रभारी अबलीस पवार ने बताया कि सभी लोगो से यह आग्रह है जहां पहले से ईद नमाज अदा की जाती रही है वही पर नमाज अदा करे कोई नई परंपरा न डाले, सार्वजानिक अस्थलो पर नमाज अदा करने से परहेज करे,नही तो कार्रवाई की जायेगी। वही किसी धार्मिक स्थल मन्दिर आदि पास कोई कुर कुर्बानी न करे, इस अवसर पर तमाम ग्राम प्रधान वीडीसी मेम्बर सभी धर्मो के धर्म गुरू सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एयर इंडिया की दिल्ली से वैंकूवर फ्लाइट ने बेपदं से लिया यू-टर्न, ७ घंटे बाद लौटीय वजह पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की है कि दिल्ली से वैंकूवर जाने वाली एयर इंडिया की एआई १८५ फ्लाइट को १६ मार्च को सात घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद वापस लौटना पड़ा। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, फ्लाइट ने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन चीनी हवाई क्षेत्र से गुजरते समय उसे यू–टर्न लेना पड़ा। विमान अंततः दिल्ली में सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री और चालक दल बिना किसी घटना के सुरक्षित बाहर निकल गए। एयर इंडिया ने कहा कि वापस लौटने का निर्णय 'एक परिचालन समस्या के कारण और स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुरूप' लिया गया था, हालांकि उसने विशिष्ट विवरण नहीं दिए। गौरतलब है कि १६ मार्च को एआई १८५ फ्लाइट बोइंग ७७७–२०० एलआर विमान (वीटी–एईआई) द्वारा संचालित की गई थी, जबकि इस मार्ग पर आमतौर पर बोइंग ७७७–३३७ (ईआर) विमान का उपयोग किया जाता है। एक सूत्र ने संकेत दिया कि विमान से संबंधित कोई प्रशासनिक समस्या हो सकती है, जिसके कारण विमान को बीच हवा में ही वापस लौटना पड़ा। हालांकि, मार्ग परिवर्तन का सटीक कारण और विमान में सवार यात्रियों की संख्या सहित अन्य विवरण अभी तक पता नहीं चल सके हैं। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि १६ मार्च को दिल्ली से वैंकूवर जाने वाली एयर इंडिया

की उड़ान AI१८५ परिचालन संबंधी समस्या के कारण और निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार दिल्ली लौट आई। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री एवं चालक दल के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए।" इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हमारे यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। दिल्ली स्थित हमारी ग्राउंड टीम ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान की, जिसमें होटल में ठहरने की व्यवस्था करना भी शामिल था, और यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया।

लोनावला में सूर्योदय देखने गए आईआईटी–बॉम्बे के ३ छात्रों का दर्दनाक अंत, एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा।

मुंबई। मुंबई में एक फिल्म देखने के बाद अचानक सुबह–सुबह लोनावला में सूर्योदय देखने के लिए गाड़ी से जाने का फैसला तीन आईआईटी–बॉम्बे के छात्रों के लिए त्रासदी में बदल गया, जो गुरुवार को वापस लौटते समय एक दुर्घटना में मारे गए। मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर सुबह करीब ८:३५ बजे एक कंटेनर ट्रक से टकराने के बाद छात्र अपनी कार के क्षत–विक्षत मलबे में फंसे पाए गए। हाईवे ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें कटर की मदद से बाहर निकाला और तुरंत कामोठे के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस दुर्घटना की सूचना सबसे पहले एक बस चालक ने दी। छात्र फॉक्सवैगन पोलो कार में यात्रा कर रहे थे, जो एक्सप्रेसवे पर भाटन सुरंग के पास कंटेनर ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश करते समय उसके पिछले हिस्से से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार कई बार पलट गई और अंत में मुड़े–तुड़े धातु के ढेर में तब्दील हो गई। एक अलग कार में यात्रा कर रहे एक अन्य छात्र हितेश कुमार मीना की शिकायत के आधार पर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ

एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस दुर्घटना में शामिल कंटेनर ट्रक की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है और यह जांच कर रही है कि क्या दुर्घटना में तेज गति या चालक की थकान की कोई भूमिका थी। ये तीनों छात्र IIT&B के छह छात्रों के समूह का हिस्सा थे, जो किराए की फॉक्सवैगन पोलो कार में यात्रा कर रहे थे। समूह ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक फिल्म देखने के बाद सूर्योदय के समय लोनावला में घूमने के लिए रात बिताई थी। यह दुर्घटना भाटन सुरंग से लगभग १.५ किलोमीटर आगे मुंबई लौटते समय हुई।

पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारीरू यूपी में ६७.५ लाख करोड़ के नए निवेश से खुलेंगे खुशहाली के द्वार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन दर्ज किया है। सुनियोजित रणनीति और दूरदर्शी नेतृत्व के चलते प्रदेश अब देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक निवेशकों के लिए भी एक प्रमुख गंतव्य बनकर उभरा है। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, राज्य सरकार की शरिफ र्म, परफॉर्म और ट्रांसफ र्मश नीति ने उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। इसके तहत पहले व्यवस्थागत सुधार (रिफॉर्म) किए गए, फिर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू (परफ मी) किया गया और अंततः व्यापक बदलाव (ट्रांसफॉर्म) के जरिए प्रदेश की छवि को नई ऊंचाई दी गई। इसी रणनीति का परिणाम है कि अब तक आयोजित चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के माध्यम से करीब ेे१५ लाख करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतारी जा चुकी हैं। वहीं, अब ेे७.५ लाख करोड़ की नई परियोजनाओं के साथ पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी जोरों पर है। वर्ष २०१७ से पहले निवेश के मामले में पिछड़े रहे उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने बिंदुवार सुधार लागू किए। ईज अ फ डूइंग बिजनेसश को बढ़ावा देने के लिए १३ अधिनियमों

में संशोधन कर ६६: छोटे आपराधिक प्रावधान समाप्त किए गए, जिससे उद्योगों के लिए वातावरण अधिक अनुकूल बना। सरकार ने निवेश के लिए मजबूत आधार तैयार करने के उद्देश्य से एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार किया। साथ ही, उद्योगों के लिए 'प्लग–एंड–प्ले' सुविधाएं और डि–रेगुलेशन जैसे सुधार लागू किए गए, जिससे निवेश प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनी। प्रदेश को अब तक ५० लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो राज्य में बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। इसके अलावा, सेक्टर आधारित औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देते हुए फिल्म सिटी, टॉय पार्क, लॉजिस्टिक हब (यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र), फार्मा पार्क (झांसी–ललितपुर) मेगा टेक्सटाइल पार्क (लखनऊ–हरदोई), परफ्यूम पार्क (कन्नौज) और गोरखपुर, कानपुर, हरदोई में प्लास्टिक, गारमेंट व लेदर क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश अब १ ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। राज्य सरकार का विशेष फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे हाईटेक क्षेत्रों पर है, जहां निवेश के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

गंगा में चिकन बिरयानी वाली इफ्तार की दावत पड़ी महंगी, 14 गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी में गंगा नदी के बीचोंबीच एक नाव पर इफ्तार की दावत का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने १४ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस वीडियो के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और पुलिस ने कार्रवाई की। रजत जायसवाल की शिकायत पर कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी पहचाने गए आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही जारी है। एसीपी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि कल पुलिस को सूचना मिली कि इंस्टाग्राम समेत सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग गंगा किनारे इफ्तार पार्टी मना रहे हैं। वीडियो में चिकन बिरयानी से भरा एक बर्तन इस्तेमाल किया जा रहा था और आरोप है कि बचा हुआ खाना नदी में फेंक दिया गया। इस मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह समूह नदी में एक नाव पर रोजा खोलने के लिए इकट्ठा हुआ था। विवाद तब शुरू हुआ जब इस सभा का एक वीडियो रिकॉर्ड किया गया और सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो में कथित तौर पर प्रतिभागियों को चिकन बिरयानी खाते और हड्डियों समेत बचा हुआ कचरा नदी में फेंकते हुए दिखाया गया है, इस कृत्य की कड़ी आलोचना और शिकायतें हुई हैं। शिकायत में समूह पर गंगा की पवित्रता का अपमान करने का आरोप लगाया गया है, क्योंकि उन्होंने खाने का बचा हुआ कचरा नदी में फेंक दिया था।

मंदिर दर्शन विवाद में घिरीं सारा अली खान

मुम्बई। हर साल केदारनाथ में बाबा के दर्शन करने वाली ब लीवुड अभिनेत्री सारा अली खान की आस्था पर अब सवाल खड़े हो गए हैं। बद्री–केदार मंदिर समिति ने गैर–हिंदुओं के मंदिर में दर्शन पर रोक लगा दी है, और अगर कोई गैर–हिंदू दर्शन करना चाहता है तो उसे हलफनामा जमा करना होगा। इस मुद्दे पर फिलहाल सारा अली

खान ने चुप्पी साथ रखी है, लेकिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी यानी ओरहान अवात्रामणि ने सारा पर निशाना साधा है। यह हमारा दावा नहीं है, बल्कि उनके द्वारा लाइक किए गए सोशल मीडिया पोस्ट से पता चलता है। ओरी ने सारा अली खान के उस पोस्ट को लाइक किया है, जिसमें लिखा है– बद्री–केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि अगर सारा अली खान हिंदू मंदिरों में जाना चाहेंगी, तो उन्हें आस्था साबित करने वाला एक शपथ पत्र देना होगा। खबर लिखे जाने तक पोस्ट पर ट प पर ओरी का लाइक दिख रहा है। इससे साफ है कि अभी तक सारा अली खान और ओरी के बीच का विवाद शांत नहीं हुआ है। ओरी ने बीते १ साल से मीम्स तो कभी इंटरव्यू के जरिए हमेशा सारा अली खान पर निशाना साधा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि अमृता सिंह की वजह से उन्हें बहुत ट्रामा झेलना पड़ा है और अगर वो माफी मांगेगी तो वो शायद माफ करने के बारे में सोच सकते हैं, हालांकि ओरी किस ट्रामा से गुजर रहे हैं, उन्होंने इसे लेकर कोई खुलासा नहीं किया। अमृता सिंह और सारा अली खान को निशाना बनाते हुए ओरी ने एक रील भी शेयर की थी, जिसमें उनसे तीन सबसे बुरी औरतों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलक, अमृता और सारा का नाम लिया। हालांकि वो रील में पूरा नाम लेते बचते दिखे, लेकिन फैंस समझ चुके थे कि ओरी आखिर कहना क्या चाहते हैं। पलक तिवारी, सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड हैं। ओरी, इब्राहिम अली खान, सारा और पलक चारों ही बहुत क्लोज फ्रेंड्स हुआ करते थे, लेकिन विवाद के बाद ओरी ने सबको अनफ लो कर दिया था। बात यही खत्म नहीं होती, ओरी ने खुलेआम सारा के करियर को लेकर भी मीम बनाए थे और उनके करियर को बहुत छोटा बताया था। हालांकि सारा अली खान ने पूरे विवाद पर चुप्पी साधे रखी और कुछ कहने या पोस्ट करने से खुद को दूर रखा। शायद यही वजह है कि आज भी सारा के धर्म और गैर– हिंदू होने के विवाद पर ओरी खुश हैं और उनसे जुड़े पोस्ट को लाइक कर रहे हैं।

अभिनेता कमल हासन को मिला प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड

मुम्बई। 'दिग्गज अभिनेता कमल हासन को तेलंगाना गद्दार फिल्म अव ईस में पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन्हें फिल्म उद्योग में उनके आजीवन योगदान और उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया। कमल हासन इस सम्मान से बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर कीं। अभिनेता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सम्मान अवॉर्ड विजेताओं और पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस आयोजन को शानदार तरीके से आयोजित किया। सिनेमा जिंदाबाद। पैडी जयराज एक प्रसिद्ध अभिनेता और दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड विजेता थे। उनका नाम भारतीय सिनेमा के शुरुआती दौर से जुड़ा है। यह अवॉर्ड उनके सम्मान में दिया जाता है, जो फिल्म उद्योग में लंबे योगदान वाले कलाकारों को मिलता है। वहीं, कमल हासन ने अपने करियर में

प्राप्त करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा मैं माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और माननीय उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का का दिल से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने तेलंगाना गद्दार फिल्म अव ईस को फिर से जीवित किया। साथ ही, मैं सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड स्वीकार करता हूं। अभिनेता ने आगे लिखा कि इस अवॉर्ड को फिर से शुरू करके सरकार ने न सिर्फ एक सम्मान दिया है, बल्कि यह दिखाया है कि ऐसे मंच कलाकारों की हिम्मत, सांस्कृतिक यादों और जनता की आवाज को कितना महत्व देते हैं। अभिनेता ने लिखा, "मैं सभी साथी

कई भाषाओं में काम कर मनोरंजन जगत में योगदान दिया है। अभिनेता भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज निर्देशक, निर्माता, और लेखक हैं, जिनका करियर छह दशक से अधिक का है। उन्होंने बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की और 'अपूर्व रागंगल' (१९७५) से मुख्य भूमिका में सफलता पाई। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल' के तहत 'हे राम', 'विश्वरूपम' जैसी फिल्में बनाईं हैं। अभिनेता ने नायकन (१९८७), सदमा, और दशावतारम जैसी फिल्मों के लिए मशहूर कमल ने चार राष्ट्रीय पुरस्कार और १६ फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक